

३/११/१८

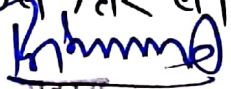
पत्रावली पैरा ३/११/१८ साहब अन्य अर्थ में व्यक्त है पत्रावली अर्थात्
मिठिए ॥११/१८ को पेश है।

॥११/१८

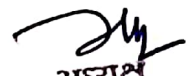
वादी समक्ष उप। वादी ने लोक अदालत की भावना से
उपस्थित होकर बैंक सदस्यों के समक्ष प्रार्थना पत्र वास्ते नोट पेश
प्रस्तुत कर वाद पत्र पर अर्थात् इसी स्तर पर समाप्त किए जाने
का निर्णय लिया। बैंक सदस्यों द्वारा वादी को सुना गया। लोक
अदालत की भावना का सम्मान करते हुए वादी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना
पत्र स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया। अतः वादी द्वारा प्रस्तुत
प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर वाद पत्र पर अर्थात् इसी स्तर
पर समाप्त की जाती है। पत्रावली फंसल नुमाय हो नैकर से कम
होकर शामिल इफार है।

ब्राह्मेश्वर लाल

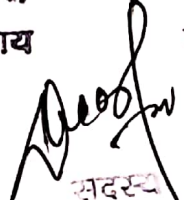
बिदा


सदस्य

लोक अदालत
उपखण्ड-भिनाथ


अध्यक्ष

लोक अदालत
उपखण्ड-भिनाथ


सदस्य

लोक अदालत
उपखण्ड-भिनाथ

